

हर ग्यारस को श्याम की ज्योत जगाएँगे

जीवन भर गुणगान दीवाने गाएँगे,
हम हर ग्यारस को श्याम की ज्योत जगाएँगे.....

ज्योत जगाते ये आ जाते ऐसा देव कहा देखा,
मस्ती मे झुमे है सारे लगे अखाड़ा भक्तो का,
भजनो की मस्ती में हम खो जायेंगे,
हम हर ग्यारस को श्याम की ज्योत जगाएँगे....

ग्यारस की इस ज्योत मे भक्तो श्याम का नूर टपकता है,
भस्मी लगते ही किस्मत को बिगड़ा लेख सँवरता है,
माथे पर बाबा भस्मी लगाएँगे,
हम हर ग्यारस को श्याम की ज्योत जगाएँगे.....

कोई गाये कोई भजाये कोई धूमके लगाता है,
अपने अपने ढंग से सेवक श्याम धनि को रिजाता है,
श्रदा के फूलो की भेट चढ़ायेगे,
हम हर ग्यारस को श्याम की ज्योत जगाएँगे.....

हर्ष कहे ये लीला धारी हर कीर्तन में आते है,
भक्तो का ये भाव देखके मंद मंद मुसकाते है,
भावो की गंगा में डुबकी लगायेगे,
हम हर ग्यारस को श्याम की ज्योत जगाएँगे.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27096/title/har-gyaras-ko-shyam-ki-jyot-jagayenge>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |